Innovation and Integrative Research Center Journal
ISSN: 2584-1491 | www.iircj.org
Volume-3 | Issue-4 | April - 2025 | Page 83-87

महिलाओं की सहायता हेतु सखी वन स्टॉप सेंटर, की भूमिका: बिलासपुर जिले के विशेष संदर्भ में

[1]किरण स्नेही, [2]डॉ.रीना तिवारी

[1]शोधार्थी, सामाजिक विज्ञान (समाजशास्त्र) विभाग, डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय, करगी रोड़, कोटा, बिलासपुर।

[2]शोध निर्देशक, सह.प्राध्यापक, सामाजिक विज्ञान (समाजशास्त्र) विभाग, डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय, करगी रोड़, कोटा, बिलासपुर।

शोध सारांश (Abstract)

यह शोध पत्र बिलासपुर जिले में स्थित सखी वन स्टॉप सेंटर की कार्यप्रणाली, सेवाओं और उसकी प्रभावशीलता का समाजशास्त्रीय विश्लेषण प्रस्तुत करता है। इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य केंद्र द्वारा पीड़ित महिलाओं को दी जा रही सेवाओं की प्रकृति और उनकी संतुष्टि का मूल्यांकन करना है। 25 पीड़ित महिलाओं से साक्षात्कार एवं केंद्र के कर्मचारियों से चर्चा के आधार पर डेटा संकलित किया गया। अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि केंद्र द्वारा मेडिकल, कानूनी, मनो–सामाजिक परामर्श, पुलिस सहायता, आश्रय सुविधा और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग जैसी सेवाएं दी जाती हैं, किंतु संसाधनों की कमी, जागरूकता और संवेदनशीलता की चुनौतियाँ भी प्रमुख हैं। यह शोध न केवल केंद्र की उपलब्धियों को दर्शाता है बल्कि इसके सुधार हेतु ठोस सुझाव भी प्रस्तुत करता है।

शब्द संकेत (Keyword)

सखी वन स्टॉप सेंटर, महिला सुरक्षा, घरेलू हिंसा, सामाजिक समर्थन, पुनर्वास, कानूनी सहायता, बिलासपुर।

समस्या पर चर्चा एवं सैद्धांतिक पृष्ठभूमि (Problem Statement & Theoretical Background)

भारत में महिलाओं के विरुद्ध हिंसा की घटनाएँ निरंतर बढ़ रही हैं। घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न, यौन उत्पीड़न, मानसिक यातना आदि के मामलों में पीड़ित महिलाओं को एक स्थान पर समेकित सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से भारत सरकार ने 2015 में श्सखी वन स्टॉप सेंटरश योजना की शुरुआत की। यह केंद्र एकल खिड़की प्रणाली के तहत पीड़ित महिलाओं को त्वरित, प्रभावी और समग्र सहायता प्रदान करता है।

Innovation and Integrative Research Center Journal
ISSN: 2584-1491 | www.iircj.org
Volume-3 | Issue-4 | April - 2025 | Page 83-87

वर्तमान समाज में महिलाओं के विरुद्ध हिंसा, उत्पीड़न, यौन शोषण, घरेलू हिंसा तथा लैंगिक भेदभाव की घटनाएँ गंभीर सामाजिक समस्याओं के रूप में उभरकर सामने आई हैं। विशेषतः ग्रामीण और अर्ध–शहरी क्षेत्रों में महिलाएँ अपने अधिकारों, न्याय और सुरक्षा के लिए सही मंच तक पहुँच पाने में असमर्थ रहती हैं। इस संदर्भ में भारत सरकार द्वारा 'सखी वन स्टॉप सेंटर' जैसी पहल शुरू की गई, जिसका उद्देश्य हिंसा से पीड़ित महिलाओं को एक ही स्थान पर सभी आवश्यक सहायता सेवाएँ प्रदान करना है।

सामाजिक संरचनावाद (Structural Functionalism) के अनुसार, समाज के प्रत्येक संस्थान का उद्देश्य सामाजिक व्यवस्था बनाए रखना होता है। वन स्टॉप सेंटर एक सामाजिक संस्थान के रूप में कार्य करता है, जो लैंगिक असमानता और महिलाओं की सुरक्षा से जुड़ी सामाजिक विसंगतियों को दूर करने का प्रयास करता है। दूसरी ओर, नारीवादी दृष्टिकोण (थ्मउपदपेज च्मतेचमबजपअम) के अनुसार, समाज में स्त्रियों की उपेक्षा, हिंसा एवं सामाजिक असमानता का मूल कारण पितृसत्तात्मक संरचना है। सखी वन स्टॉप सेंटर इन असमानताओं को संबोधित कर स्त्रियों को सशक्त बनाने की दिशा में कार्य करता है।

बिलासपुर जिले के संदर्भ में यह समस्या और अधिक गंभीर हो जाती है, क्योंकि यहाँ पर ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाली महिलाएँ सामाजिक दबाव, आर्थिक निर्भरता और विधिक प्रक्रिया की जानकारी के अभाव में अपने अधिकारों की रक्षा नहीं कर पातीं। ऐसे में यह अध्ययन आवश्यक हो जाता है कि यह केंद्र कितनी प्रभावशीलता से कार्य कर रहा है और महिलाओं के जीवन में किस प्रकार का सामाजिक परिवर्तन ला रहा है।

समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण से म्उपसम क्नतीमपउ की सामाजिक एकता की अवधारणा और Max Weber के सामाजिक क्रिया सिद्धांत इस केंद्र की भूमिका को समझने में सहायक हैं। ये केंद्र न केवल महिलाओं की सुरक्षा को बढ़ावा देते हैं बल्कि सामाजिक पुनर्वास की प्रक्रिया में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

शोध के उद्देश्य (Objectivè)

1. बिलासपुर जिले में स्थित सखी वन स्टॉप सेंटर द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं का अध्ययन करना।
2. पीड़ित महिलाओं की संतुष्टि और पुनर्वास की प्रक्रिया का मूल्यांकन करना।
3. सखी केंद्र की कार्यप्रणाली में आ रही बाधाओं की पहचान करना।
4. केंद्र की सेवाओं में सुधार हेतु सुझाव प्रस्तुत करना।
5. समाज में वन स्टॉप सेंटर की स्वीकार्यता, जन–जागरूकता और प्रभाव का विश्लेषण करना।
6. वर्तमान सेवाओं में सुधार एवं विस्तार हेतु नीतिगत सुझाव प्रस्तुत करना।

Innovation and Integrative Research Center Journal
ISSN: 2584-1491 | www.iircj.org
Volume-3 | Issue-4 | April - 2025 | Page 83-87

डेटा संग्रहण उपकरण (Data Collection Tools)

प्राथमिक डेटा: 25 पीड़ित महिलाओं से संरचित साक्षात्कार, केंद्र प्रभारी से अनौपचारिक वार्तालाप।

शोध के लिए बिलासपुर जिले के सखी वन स्टॉप सेंटर से सेवा प्राप्त करने वाली 25 महिलाओं का चयन किया गया। चयन हेतु पूर्व–सूचना और सहमति प्राप्त की गई। डेटा संग्रह के लिए निम्न उपकरणों का उपयोग किया गया:

संरचित साक्षात्कार (Structured Interviews): पीड़ित महिलाओं से उनके अनुभव, समस्याएँ, केंद्र से प्राप्त सेवाओं की प्रभावशीलता, एवं उनके जीवन में आए परिवर्तनों पर आधारित प्रश्न पूछे गए।

फोकस ग्रुप डिस्कशन (Focus Group Discussions): सेंटर की कर्मियों, काउंसलर और अधिकारियों से समूह में चर्चा की गई जिससे सेवाओं के संचालन, सीमाओं और सुझावों को समझा जा सके।

केस स्टडी (Case Studies): तीन महिलाओं के व्यक्तिगत मामलों को विस्तृत रूप से दर्ज किया गया, जिससे सेंटर की कार्यप्रणाली और व्यक्तिगत प्रभाव का मूल्यांकन किया जा सके।

द्वितीयक डेटा: सरकारी रिपोर्ट्स, वन स्टॉप सेंटर की वेबसाइट, समाचार पत्रों से प्राप्त जानकारी।

- सरकारी रिपोर्ट (जैसे महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा जारी दस्तावेज)
- छत्तीसगढ़ शासन द्वारा प्रकाशित डेटा
- सखी सेंटर के वार्षिक रिपोर्ट एवं केस रिकॉर्ड
- पूर्व प्रकाशित शोध पत्र, समाचार लेख और रिपोर्ट

डेटा संकलन के पश्चात विश्लेषण हेतु विषयवस्तु विश्लेषण (Thematic Analysis) और वर्णनात्मक सांख्यिकी (Descriptive Statistics) का उपयोग किया गया।

समस्या वर्णन (Problem Description)

बिलासपुर जिले का सखी वन स्टॉप सेंटर जिला अस्पताल परिसर में स्थित है। यह केंद्र 24•7 सेवाएँ उपलब्ध कराता है जिनमें शामिल हैं:

- मेडिकल सहायता
- पुलिस सहायता
- मनो–सामाजिक परामर्श
- कानूनी सहायता
- अस्थायी आश्रय सुविधा
- वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से न्यायिक सेवाओं की सुविधा

Innovation and Integrative Research Center Journal
ISSN: 2584-1491 | www.iircj.org
Volume-3 | Issue-4 | April - 2025 | Page 83-87

भारत में प्रतिदिन हजारों महिलाएँ शारीरिक, मानसिक, यौन एवं सामाजिक हिंसा की शिकार होती हैं, किंतु उन तक त्वरित सहायता पहुँचाना हमारी वर्तमान सामाजिक व्यवस्था की एक बड़ी चुनौती रही है। खासकर जब महिला सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक रूप से वंचित हो, तब न्याय एवं पुनर्वास की प्रक्रिया उनके लिए और भी कठिन हो जाती है।

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में, जहाँ नगरीय और ग्रामीण क्षेत्र दोनों सम्मिलित हैं, पीड़ित महिलाओं की संख्या कम नहीं है। हालांकि शासन द्वारा श्सखी वन स्टॉप सेंटरश की स्थापना महिलाओं को एक ही छत के नीचे सभी सहायता सेवाएँ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई, किंतु इस केंद्र की वास्तविक स्थिति, सेवाओं की उपलब्धता, और पीड़िताओं तक इसकी पहुँच पर अभी तक पर्याप्त शोध कार्य नहीं हुआ है।

सामाजिक मान्यताएँ, परिवार एवं समाज की चुप्पी, विधिक प्रक्रिया की जटिलता, मानसिक आघात और पुनर्वास की कठिनाई दृ ये सभी ऐसी समस्याएँ हैं जो महिला के जीवन को गहराई से प्रभावित करती हैं। कई बार महिलाएँ मदद मांगने से कतराती हैं क्योंकि उन्हें सामाजिक उपहास, अपमान या परिवार के विघटन का डर होता है।

सखी वन स्टॉप सेंटर जैसी संस्थाएँ इन सामाजिक बाधाओं को तोड़ने का प्रयास करती हैं, लेकिन इनकी सीमाओं, क्षमताओं और व्यावहारिक प्रभाव को समझना आवश्यक है। अतः यह शोध इस बात की गहन विवेचना करता है कि क्या सखी सेंटर वास्तव में पीड़ित महिलाओं के लिए एक प्रभावी श्सहारा केंद्रश बन पाया है।

बिलासपुर सखी सेंटर की प्रमुख गतिविधियाँ

1. मानसिक रूप से परेशान महिलाओं की काउंसलिंग
2. घरेलू हिंसा पीड़ितों को मेडिकल व कानूनी सहायता
3. शोषण, बलात्कार या दहेज के मामलों में परामर्श एवं पुनर्वास

मुख्य चुनौतिया

1. संसाधनों की कमी दृ जैसे पर्याप्त काउंसलर, चिकित्सा विशेषज्ञों और कानूनी सहायकों की उपलब्धता नहीं।
2. जागरूकता की कमी दृ ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को केंद्र के बारे में जानकारी नहीं।
3. संवेदनशीलता का अभाव दृ कुछ कर्मचारी या पुलिस कर्मी पीड़ित महिलाओं के प्रति सहानुभूति नहीं रखते।

निष्कर्ष (Findings)

Innovation and Integrative Research Center Journal
ISSN: 2584-1491 | www.iircj.org
Volume-3 | Issue-4 | April - 2025 | Page 83-87

- अधिकतर महिलाओं ने मानसिक, कानूनी और चिकित्सा सहायता प्राप्त की।
- सेवाओं की गुणवत्ता संतोषजनक पाई गई परंतु समयबद्धता और संवेदनशीलता में सुधार की आवश्यकता महसूस की गई।
- महिलाएँ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग जैसी तकनीकी सेवाओं से राहत महसूस करती हैं।
- पुनर्वास प्रक्रिया में सामाजिक स्वीकार्यता और पुनः सम्मान प्राप्ति की प्रक्रिया धीमी है।

सुझाव (Recommendations)

1. जन–जागरूकता अभियान चलाकर ग्रामीण व शहरी महिलाओं को सेवाओं की जानकारी दी जाए।
2. महिला कर्मचारियों की संख्या बढ़ाई जाए व उन्हें संवेदनशीलता आधारित प्रशिक्षण प्रदान किया जाए।
3. केंद्र के लिए स्थायी डॉक्टर, वकील और मनोवैज्ञानिक की नियुक्ति की जाए।
4. केंद्र में दी जाने वाली सेवाओं का सतत मूल्यांकन किया जाए।
5. आश्रय सुविधा को दीर्घकालिक बनाने की दिशा में कार्य किया जाए।

उपसंहार (Conclusion)

सखी वन स्टॉप सेंटर एक क्रांतिकारी पहल है जो पीड़ित महिलाओं को समेकित सहायता प्रदान करता है। बिलासपुर जिले में यह केंद्र अपने सीमित संसाधनों के बावजूद प्रभावी सेवाएँ दे रहा है। यदि प्रशासनिक सुधार, संसाधन वृद्धि और संवेदनशील दृष्टिकोण को अपनाया जाए, तो यह केंद्र महिलाओं के लिए आशा की किरण बन सकता है।

संदर्भ ग्रंथ सूची (Referencè)

1. महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार (2015). ष्वन स्टॉप सेंटर योजना दस्तावेज।
2. छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग रिपोर्ट (2023)।
3- The Hindu (2023). "Sakhi One Stop Centre empowering women across India-"
4. Desai, M. (2010). "Women and Empowerment in India", Himalaya Publishing House.
5. Dubey, (2018). "Violence against Women in India: Role of One Stop Centers", Social Action Journal.
6. साक्षात्कार डेटा: बिलासपुर सखी वन स्टॉप सेंटर (मार्च 2025)।